THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BIR BAHADUR SINGH): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House. [See Appendix CXLVII, Annexure No. 57].

Profit and Loss accounts of Central Public Sector Enterprises

*171. SHRI KAILASH PATI MISHRA:
SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) what is the net profit earned and loss incurred during each of the last three years by all the Central public sector enterprises put together; and

(b) what was the target fixed for each year for them for generation of funds?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. ENGAL RAO): (a) The net profits earned by all the Central Public Sector Enterprises put together during the last two years ending 1986-87, upto which figures are available are as under:—

(Rs. in crores)

1985-86	1172.44
1986-87	1769.08

Figures for the year 1987-88 will be available only after 30-9-1988.

(b) Targets fixed for generation of internal resources by the Central public sector enterprises for the last three years are as under:—

(Rs. in crores)

1985-86	3438.64
1986-87	3735.57
1987-88	3986.01

लघु उद्योग एककों में बढ़ती हुई रुग्णता

*173. **श्री राम नरेश यादव :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान नेशनल एलाइंस आफ यंग एन्टरप्रिन्योर्स द्वारा लघु उद्योगों के संबंध में 1987 में किए गए सर्वेक्षण की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इसके सर्वेक्षण प्रतिवेदन के अनुसार रुग्ण लघु एककों की संख्या में गत वर्षों की तुलना में आने वाले वर्षों में निरन्तर वृद्धि होगी;

(ग) 1987-88 के दौरान ऐसे रुग्ण एककों की सख्या क्या थी ; और

(घ) सरकार ने रुग्णता को रोकने के लिये अब तक क्या कदम उठाये है ?

उद्योग मंत्री (श्री जे० वेंगल राव) : (क) और (ख) नेशनल अलायेंस आफ यंग इन्टरप्रिन्योर्स द्वारा प्रकाशित "स्टेटस आफ स्माल इंडस्ट्रीज इन इंडिया इन 1987-88" नामक एक अध्ययन रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लघु क्षेत्र में रुग्ण एककों की संख्या 1981 से प्रति वर्ष बढ़ती जा रही है ।

(ग) बैंकों से सहायता प्राप्त रुग्ण औद्योगिक एककों से संबंधित आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपनाई गयी परिभाषा के अनुसार एकत्र किये जाते है । भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राप्त नवीनतम सूचना के अनुसार जून, 1987 के अन्त तक देश में 1,58,226 रुग्ण लघु औद्योगिक एकक थे जिन पर पर 1,542.25 करोड रुपये की राशि बकाया थी ।

(घ) सरकार द्वारा लघु उद्योग क्षेत्र में प्रारंभिक अवस्था में रुग्णता का पता लगाने तथा रुग्ण इकाइयों की पुनर्स्थापना करने की दिशा में अनेक अध्यपाय किये गये हैं । भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी, 1987 में सभी वाणिज्यिक बैंकों को व्यापक

मार्गदर्शी सिद्धांत जारी किये हैं, जिसमें आरम्भिक अवस्था मे रुग्णता का पता लगाने, रुग्ण लघु इकाइयों का पता लगाने, जीव्यता के मानदंड तथा जीव्यक्षम रुग्ण इकाइयों के मामले मे पुनर्स्थापना पैकेज का कार्यान्वयन करने के लिये बैंकों/वित्तीय संस्थानों से प्राप्त होने वाली राहतों तथा रियायतों के बारे मे विशेष रूप से उल्लेख है । भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा मई, 1989 में स्थापित लघु उद्योग विकास निधि से भी उन रुग्ण लघु उद्योग इकाइयों की पुनर्स्थापना के लिए सहायता उपलब्ध है जिन्हें वाणिज्यिक बैंकों, राज्य वित्तीय निगमों, राज्य लघु उद्योग विकास निगमों से वित्तीय सहायता मिली हुई है । जीव्यतम रुग्ण लघु उद्योग इकाइयों को अगस्त, 1987 मे स्थापित राष्ट्रीय इक्विटी निधि से प्रति-वर्ष शत प्रतिशत के मामली सेवा प्रभार पर उन एककों को, जिनकी परियोजना लागत 5 लाख रु० से अधिक नहीं है, 75,000/-रु० तक की दीर्घकालिक इक्विटी सहायता उपलब्ध है । भारत सरकार द्वारा रुग्ण लघु औद्योगिक इकाइयों को पुनर्स्थापित करने के लिए सीमांत धन योजना का उदारीकरण किया गया है और इस योजना के अधीन सहायता राशि को प्रति इकाई 20,000 रुपये से बढ़ाकर 50, 000 रुपये कर दिया गया है।

Refineries set up in the Corporate Sector

*174. DR. NAGEN SAIKIA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) how many refineries have been set up in the corporate sector in the country;

(b) where are these refineries situated; and

(c) what are the names of the participants in each such refinery?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) to (c) The details regarding the refineries already set up in the country are given below:—

Name of the Company	Location of the Refinery	Name of the Participants
Indian Oil Corporation Limited	(i) Digboi (ii) Guwahati (iii) Barauni (iv) Haldia (v) Mathura (vi) Koyali	The major share holding is with Government of India. However, there is a participation in equity by the Government of Gujarat to the tune of Rs. 15 lakhs only.
Bharat Petroleum Corporation Ltd.	(i) Bombay	Only Government of India
Hindustan Petroleum Corporation Ltd.	(i) Bombay (ii) Visakh	Only Government of India
Bongaigaon Refineries and Petrochamicals Ltd.	(i) Bongaigaon	Only Government of India
Cochin Refineries Ltd.	(i) Cochin	(i) Government of India (ii) Philips Petroleum Company, USA (iii) Others : (a) Govt. of Kerala (b) Life Insurance Corporation of India (c) Unit Trust of India (d) Other Insurance Cos. (e) Nationalised Banks (f) General Public
Madras Refineries Ltd.	(i) Manali Madras	(i) Government of India (ii) National Iranian Oil Company, Iran.